



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 33]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 13, 1995/पौष 23, 1916

No. 33]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 13, 1995/PAUSA 23, 1916

विद्युत मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1995

का.आ. 39 (अ).—केन्द्रीय सरकार, विद्युत (प्रदाय) अधिनियम 1948 (1948 का 54) की धारा 43क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 251(अ) तारीख 30 मार्च, 1992 में निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात् :—

अथवा अधिसूचना में,—

(क) पैरा 1.1 में, अन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण :—शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकरण द्वारा अधिकृत मापमान केवल अधिकतम सीमा मापमान हैं और ये बोर्डों तथा उत्पादक कंपनियों को उन्नत मापमान स्वीकार करने से नहीं रोकेगा”।

(ख) पैरा 1.5 के खंड (इ) में,—

स्पष्टीकरण को स्पष्टीकरण 1 के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित स्पष्टीकरण 1 के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण II परियोजना को निधि देने के लिए विद्यमान कंपनी के मुक्त आरक्षण से सृजित शेयर पूंजी पुरोधृत करने और आन्तरिक स्रोतों के विनिधान यदि कोई हो के समय उत्पादक कंपनी द्वारा लिया गया प्रीमियम भी साधरण शेयर पर लाभांश की संगणना के प्रयोजन के लिए समाप्त पूंजी के रूप में हिसाब में लिया जाएगा; परन्तु यह तब जब प्रीमियम की ऐसी रकम और आन्तरिक साधनों का वास्तविक उपयोग विद्युत उत्पादन परियोजना पर हुए पूंजी व्यय के लिए किया गया हो और वह प्राधिकरण द्वारा दी गई तकनीकी आर्थिक स्वीकृति में यथा उपबर्णित अनुमोदित वित्तीय पैकेज का भाग हो।”

(ग) पैरा 2 से 2.8 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्:—

“2 जल-विद्युत् उत्पादन केन्द्र :—

जल-विद्युत् उत्पादन केन्द्रों से विद्युत् के विक्रय के लिए दो भाग वाले टैरिफ में वार्षिक क्षमता प्रभार की वसूली होगी जिसमें ऋण पूंजी पर व्याज, अवक्षयण समाविष्ट है और ऊर्जा प्रभार होंगे, जिसमें प्रचालन और अनुरक्षण व्यय, व्ययों के रूप में परिकलित आय पर कर, साधारण शायरों पर साभांश और वास्तविक रूप में जल प्रभारों पर उपकर/उद्ग्रहण और उत्पादन के मानकी स्तर पर कामकाज पूंजी पर व्याज समाविष्ट है।

2.1 जल-विद्युत् केन्द्र के टैरिफ के लिए परिभाषाएँ :—

पैरा 2 से 2.8 में,—

- (i) किसी परियोजना के संबंध में “उपलब्धता” से परियोजना की क्षमता जिसके अंतर्गत जल की उपलब्धता पर विद्युत् उत्पादन करने के लिए उत्पादक इकाइयों भी हैं, अभिप्रेत है और परियोजना की वार्षिक उपलब्धता का अवधारण निम्नलिखित सूत्र के अनुसार किया जाएगा :—

$$\text{एच}_1 \text{ यू}_1 + \text{एच}_2 \text{ यू}_2 + \text{एच}_n \text{ यू}_n \times 100$$

वार्षिक उपलब्धता —————
की प्रतिशतता

$$(\text{यू}_1 + \text{यू}_2 + \text{—} \text{यू}_n) \times 8760$$

जबकि यू₁, यू₂ ————— यू_n विभिन्न इकाइयों की मेगावाट में क्षमताएँ हैं, और

एच₁, एच₂ ————— एच_n ऐसे घंटे हैं जिसमें संबंधित इकाइयाँ वर्ष के दौरान प्रचालन के लिए उपलब्ध थी;

- (ii) “डिजाइन ऊर्जा” से ऊर्जा की वह मात्रा जो 90 प्रतिशत निर्भरता वर्ष में केन्द्र की स्थापित क्षमता की 95 प्रतिशत की उपलब्धता में उत्पादित हो सकती थी, अभिप्रेत है;

स्पष्टीकरण—यदि किसी वर्ष का कुल ऊर्जा उत्पादन जिसके लिए जलीय प्रांक्छे उपलब्ध हैं (अर्थात्—एन वर्ष) यदि अवरोही क्रम में व्यवस्थित किया जाता है तो (एन + 1 × 09) वर्ष, 90 प्रतिशत निर्भरता वर्ष का प्रतिनिधित्व करेगा। 90 प्रतिशत निर्भरता वर्ष ऐसा वर्ष है जिसमें वार्षिक ऊर्जा उत्पादन स्कीम की संभावित प्रचालन अवधि के बराबर या 90 प्रतिशत से अधिक होने की संभावना है।

- (iii) “स्थापित क्षमता” से केन्द्र में उत्पादक इकाइयों के ऊपर वर्णित क्षमता या वह क्षमता अभिप्रेत है जो उससे उच्च, निम्न क्षमता, आदि को, जो भी लागू हो, ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण से परामर्श करके समय-समय पर विनिश्चित की जाए;

(iv) “परियोजना” के अंतर्गत संपूर्ण जल विद्युत् उत्पादन सुविधा, जिसमें सभी संघटक जैसे बांध, आगम जल संवाह प्रणाली, विद्युत् केन्द्र, प्राधिकरण द्वारा यथा विनिश्चित और विद्युत् उत्पादन के लिए यथा प्रभाजित स्कीम की उत्पादक इकाई सम्मिलित है;

(v) “शौण ऊर्जा” केन्द्र में वार्षिक आधार पर डिजाइन ऊर्जा से अधिक उत्पादित ऊर्जा को मात्रा अभिप्रेत है;

(vi) “केन्द्र” से ऐसा जल विद्युत् उत्पादन केन्द्र अभिप्रेत है जिसमें परिवर्तनीय इकाई सहित एक या अधिक जल विद्युत् उत्पादन इकाई स्थापित है;

2.2 प्रचालन मापमान, जैसे कि वे प्राधिकरण द्वारा अभिकथित किए गए हैं और जो अधिनियम की धारा 43क की उपधारा (2) के अधीन इस समय उपांतरणों के, यदि कोई हों, अधीन हैं, निम्नलिखित हैं:—

(i) उत्पादन का मानकी स्तर (डिजाइन ऊर्जा) :— तकनीकी आर्थिक स्वीकृति में यथा उपवर्णित स्थापित क्षमता की 95 प्रतिशत उपलब्धता सहित किसी 90 प्रतिशत निर्भरता वर्ष में संगणित ऊर्जा।

(ii) परियोजना की मानकी उपलब्धता :— 90 प्रतिशत उपलब्धता

(iii) सहायक खपत :— उत्पादित ऊर्जा का 0.5 प्रतिशत

(iv) रूपांतरण हानियाँ (उत्पादन वोल्टता से परेषण वोल्टता)।

उत्पादित ऊर्जा का 0.5 प्रतिशत

(v) वाणिज्यिक प्रचालन की तारीख :— तुल्यकालन की तारीख से 15 दिन से अधिक नहीं।

स्पष्टीकरण : शंकाओं को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकरण द्वारा अधिकथित मापमान केवल अधिकतम सीमा मापमान हैं और ये बोर्डों तथा उत्पादक कंपनियों को उन्नत मापमान स्वीकार करने से नहीं रोकेंगे।

2.3 (क) परियोजना का पूंजी व्यय प्राधिकरण की तकनीकी आर्थिक निकासी में वर्णित अनुमोदित वित्तीय पैकेज के अनुसार वित्त पोषित किया जाएगा।

(ख) परियोजना लागत में पूंजीकृत आरंभिक पुर्जों सम्मिलित अनुमोदित परियोजना लागत वह लागत होगी जो प्राधिकरण तकनीकी, आर्थिक निकासी में विनिश्चित की गई है।

(ग) परियोजना के पूरा होने पर उपगत वास्तविक पूंजी व्यय टैरिफ नियत करने के लिये मानदंड होगा। जहां वास्तविक व्यय अनुमोदित परियोजना लागत से अधिक हो जाता है वहां ऐसा अधिक व्यय जो प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किया जाता है टैरिफ अधिधारित करने के प्रयोजन के लिये वास्तविक पूंजी व्यय समझा जायेगा, परन्तु यह तब जब कि ऐसा अधिक व्यय उत्पादक कंपनी या उसके प्रदायकर्ता या ठेकेदारों का नहीं माना जायेगा:

परन्तु विद्युत क्रय संबंधी करार में उपबंधित पूंजी व्यय या वास्तविक पूंजी व्यय पर अधिकतम सीमा का कुल 2 प्रतिशत और बीमा पर वास्तविक व्यय खंड 1.2 में यथा उपबंधित पूंजी व्यय के 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

2.4 अस्थायी विद्युत् की बाबत, अर्थात् एकक के वाणिज्यिक परिचालन से पूर्व विद्युत् का विक्रय, ऐसे विक्रय से प्राप्त किसी राजस्व को (ईंधन लागत को छोड़कर) पूंजी व्यय में कटौती के रूप में समझा जाएगा न कि शुद्ध राजस्व।

2.5 ब्याज भुगतान और ऋण जो वास्तविक रूप से उपगत होता है प्रति संदाय के लिए सुसंगत वर्ष में अनुज्ञेय होगा, परन्तु यह तब जब कि यह विदेशी मुद्रा दर के फेरफार से प्रत्यक्षतः उत्पन्न होता है और उसे इसके उत्पादक कंपनी या उनके प्रदायकर्ता या ठेकेदारों का नहीं माना जायेगा।

2.6. वार्षिक क्षमता प्रभारों की संगणना निम्नलिखित आधार पर की जाएगी, अर्थात्:—

(क) उधार पूंजी पर व्याज बकाया ऋणों पर, जिसके अन्तर्गत प्रतिसंदाय अनुसूची भी सम्मिलित है, प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित वित्तीय पैकेज के अनुसार संगणित किया जाएगा;

(ख) अवक्षयण की दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित रूप में लागू होंगी या “अवक्षयण के लिए अग्रिम” ऋण की रकम के 1/12 भाग से अनधिक वार्षिक रकम पर लागू होगा और अनुमोदित वित्तीय पैकेज के अनुसार वर्ष की वास्तविक उधार बाध्यता तक सीमित होगा।

स्पष्टीकरण-I टैरिफ के माध्यम से प्रभारित कुल अवक्षयण, जिसके अन्तर्गत अवक्षयण के लिए अग्रिम भी सम्मिलित है, परियोजना काल के दौरान अनुमोदित पूंजी लागत के नब्बे प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण-II यदि कोई उत्पादन कंपनी आस्तियों को पट्टे पर लेती है तो प्राधिकरण द्वारा यथा अनुमोदित पट्टा प्रभारों के संबंध में अवक्षयण

और व्याज बाध्यता के बदले क्षमता प्रभार के रूप में विचार किया जाएगा।

2.7 संपूर्ण क्षमता प्रभार 7,884 घंटा/वर्ष (90% प्रतिशत उपलब्धता) के प्रचालन पर वसूल किए जाएंगे। 7,884 घंटा/वर्ष के स्तर से कम क्षमता प्रभार का संदाय अनुपातिक आधार पर किया जाएगा। 7,884 घंटा/वर्ष से ऊपर के स्तर की उपलब्धता के लिए क्षमता प्रभारों का कोई संदाय नहीं किया जाएगा। क्षमता प्रभारों की संगणना मासिक आधार पर की जाएगी और उसे रुपए/किलोवाट/मास में अंकित किया जाएगा।

2.8 एक वर्ष के लिए कुल ऊर्जा प्रभार निम्नलिखित आधार पर संगणित किए जाएंगे:—

(क) संयंत्र के प्रारंभ करने के पश्चात् प्रथम संपूर्ण वर्ष के लिए प्रचालन और अनुरक्षण व्यय की, जिसमें बीमा व्यय भी है, संगणना अनुमोदित पूंजी व्यय या पैरा 2.3 में यथा उपबंधित पूंजी व्यय की अधिकतम सीमा के 1.5 प्रतिशत की दर से की जाएगी।

प्रचालन के प्रथम संपूर्ण वर्ष के पश्चात् प्रत्येक पश्चात्बर्ती वर्ष में प्रचालन और अनुरक्षण पर व्ययों का जिसमें बीमा व्यय भी है, भारित कीमत सूचकांक के आधार पर बोर्ड और उत्पादन कंपनी के बीच परस्पर करार पाए गए आधार पर पुनरीक्षण किया जाएगा।

(ख) आय पर कर यदि कोई हो, वास्तविक व्यय के रूप में संगणित किया जाएगा। आय पर कर की अधिक या कम वसूली को प्रत्येक वर्ष लेखा परीक्षकों के प्रमाणपत्र के आधार पर समायोजित किया जाएगा।

(ग) साधारण शेयरों पर लाभांश उत्पादन एकक से संबंधित समादत्त और प्रतिश्रुत पूंजी पर 16 प्रतिशत की दर से संगणित किया जाएगा।

स्पष्टीकरण-I इस उपपैरा के प्रयोजन के लिए विदेशी मुद्रा में लाई गई प्रतिश्रुत साम्या के संबंध में उत्पादक कंपनी को प्रतिश्रुत पूंजी की मुद्रा में 16 प्रतिशत से अनधिक साधारण शेयरों पर लाभांश संगणित करने का विकल्प होगा।

स्पष्टीकरण-II परियोजना को निधि देने के लिए विद्यमान कंपनी के मुक्त आरक्षण से सृजित शेयर पूंजी पुरोधृत करने और आंतरिक स्रोतों के विनिधान, यदि कोई हो, के समय उत्पादक कंपनी द्वारा लिया गया प्रीमियम भी साधारण शेयर पर लाभांश की संगणना के प्रयोजन के लिए समादत्त पूंजी के रुपये हिसाब में लिया जाएगा, परन्तु यह तब जब प्रीमियम की ऐसी रकम और आंतरिक साधनों का वास्तविक

उपयोग विद्युत् उत्पादन परियोजना पर हुए पूंजी व्यय के लिए लिया गया हो और वह प्राधिकरण द्वारा दी गई तकनीकी आर्थिक स्वीकृति में यथा उपवर्णित अनुसूचित वित्तीय पैकेज का भाग हो।

(घ) कार्यकरण पूंजी पर व्याज, जिसमें निम्नलिखित होंगे।

(i) एक मास के लिए प्रचालन और अनुरक्षण व्यय;

(ii) वास्तविक अनुरक्षण पुर्जों किंतु पहले से पूंजीगत आरंभिक पुर्जों के 1/5 भाग मूल्य से कम की एक वर्ष की आवश्यकता से अनधिक, और

(iii) विद्युत् के विक्रय के लिए दो मास के औसत दर पर बिलों के समतुल्य प्राप्तियां।

(ङ) अन्य प्रकीर्ण प्रभार—जैसा उत्पादन एक/केन्द्र को विनिर्दिष्ट रूप से लागू किया जाएगा। इनके अंतर्गत विद्युत् उत्पादन के लिए जल के उपयोग के लिए उपकरण, यदि उद्गृहीत किया जाए और पम्प द्वारा जल निकालने के प्रयोजन के लिए प्रशस्य की गई ऊर्जा के लिए किए गए वास्तविक संदाय के अनुसार पम्प द्वारा निकाले गए जल के भंडारण की स्कीमों के लिए ऊर्जा उपयोग प्रभार भी है।

2.9 प्राथमिक ऊर्जा की प्रति यूनिट लागत परियोजना की डिजाइन ऊर्जा द्वारा कुल ऊर्जा प्रभारों को विभाजित करके अंगणित की जाएगी और वह प्रति किलोवाट/घंटा प्रति रुपए के रूप में अंकित की जाएगी। प्राथमिक ऊर्जा प्रभारों का संदाय मास के दौरान वास्तविक उत्पादन पर आधारित होगा जो उस मास के लिए प्रमाणित डिजाइन ऊर्जा तक सीमित होगा। इस प्रयोजन के लिए पूर्ण डिजाइन ऊर्जा बोर्ड और कंपनी के बीच परस्पर करार के अनुसार वर्ष के 12 कलेंडर मासों में प्रमाणित की जाएगी।

2.10 प्रोत्साहन :

“क्षमता प्रभार” और “प्राथमिक ऊर्जा प्रभार” के अतिरिक्त, कंपनी को निम्नानुसार प्रोत्साहन दिया जाएगा :

(i) 90 प्रतिशत के मानकी स्तर के ऊपर संस्थापित क्षमता की उपलब्धता के लिए, प्रोत्साहन की दर, उत्पादक कंपनी और बोर्ड के बीच परस्पर करार के अनुसार होगी किंतु उपलब्धता में प्रत्येक प्रतिशत बिंदु की वृद्धि के लिए साधारण ग्रंथों पर लामांश 0.7 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

(ii) गोन ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार—

गोन ऊर्जा के लिए प्रोत्साहन की दर बोर्ड और उत्पादक कंपनी के बीच परस्पर करार के अनुसार होगी। तथापि, किसी वर्ष में, इस मद्दे अधिकतम संदाय साधारण ग्रंथों पर लामांश 16 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

उच्च उपलब्धता और गोन ऊर्जा के मद्दे प्रोत्साहन वार्षिक आधार पर वित्तीय वर्ष के प्रत्येक मास के संचयी समायोजन और वर्ष के अंत में अंतिम समायोजन के अधीन रहते हुए, दिया जाएगा।

2.11 संप्रदाय गया उत्पादन :

यदि, केन्द्र ने किसी संविदा वर्ष में मानकी उपलब्धता स्तर प्राप्त कर लिया है, किंतु वास्तविक ऊर्जा उत्पादन, केवल जल विज्ञान के कारण कम पड़ता है, तो डिजाइन ऊर्जा तक उत्पादन के लिए ऊर्जा प्रभार प्रचालन के पहले सात वर्षों के दौरान उत्पादक कंपनी को दिए जाएंगे।

उत्पादक कंपनी के नियंत्रण से परे और बोर्ड की पारेषण लाइनों की नैर-उपलब्धता या संबद्ध प्रादेशिक विद्युत् बोर्ड से विद्युत् उत्पादन कम करने के अनुदेश की प्राप्ति के कारणों से उत्पादन की कमी के मामले में, जिसके परिणामस्वरूप जल नष्ट होता है, ऐसे नष्ट होने के नाते ऊर्जा की हानि डिजाइन ऊर्जा तक सीमित संप्रदाय गया उत्पादन माना जाएगा।

2.12 प्रत्येक पर्वों के माध्यम से बिलों के संदाय के लिए 2.5 प्रतिशत रिबेट अनुज्ञात की जाएगी। जहां उत्पादक कंपनी द्वारा संदाय प्रत्येक पर्वों के माध्यम से अन्यथा किंतु बिलों के पेश करने से एक मास की अवधि के भीतर किया जाता है वहां एक प्रतिशत की रिबेट अनुज्ञात होगी।

(घ) पैरा 3.3 के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“3.4 यह अधिसूचना ऐसे जल-विद्युत् उत्पादन केन्द्रों को लागू होगी जो 1 जनवरी, 1987 को या उसके पश्चात् वाणिज्यिक सक्रियताएं आरंभ करेंगे।”

[सं. 2/9/एन एच पी सी/टैरिफ/94]

एस. आर. शिवरेन, संयुक्त सचिव

पाठ-टिप्पण : मूल अधिसूचना, भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 30 मार्च, 1992 में प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात् का.आ. 36(अ), तारीख 19-1-1994 और का.आ. 605(अ), तारीख 22-8-1994 द्वारा उसमें संशोधन किया गया।

MINISTRY OF POWER

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th January, 1995

S.O. 39(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43A of the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Power number S.O. 251 (E) dated the 30th March 1992, namely :—

In the said notification,—

- (a) in paragraph 1.1, the following explanation shall be inserted at the end, namely :—

“Explanation :—For removal of doubts, it is clarified that the norms laid down by the Authority are the ceiling norms only and this shall not preclude the Boards and Generating Companies from agreeing to accept improved norms.”;

- (b) in paragraph 1.5 in clause (c), the explanation shall be numbered as explanation I, and after explanation I as so numbered, the following explanation shall be inserted, namely :—

“Explanation II :—Premium raised by the Generating Company while issuing share capital and investment of internal resources created out of free reserve of existing company, if any, for the funding of the project, shall also be reckoned as paid up capital for the purpose of computing the return on equity, provided such premium amount and internal resources are actually utilised for meeting the capital expenditure of the power generation project and form part of the approved financial package as set out in the techno economic clearance accorded by the Authority.”;

- (c) for paragraphs 2 to 2.8, the following paragraphs shall be substituted.

2. Hydro Power Generating Stations :

The two-part tariff for sale of electricity from hydro power generating stations shall comprise the recovery of annual capacity charge consisting of interest on loan capital, depreciation and energy charges consisting of operation and maintenance expenses, tax on income reckoned as expenses, return on equity and cess/levy on water charges at actuals and interest on working capital, at a normative level of generation.

2.1 Definitions for tariff of hydro station :—

In paragraph 2 to 2.8,—

- (i) “Availability”, in relation to a project, means the capacity of the project, including the generating units, to generate power on availability of water; and the annual availabilities of a project shall be determined as per the following formula :—

Percentage Annual Availability

$$= \frac{(H_1 U_1 + H_2 U_2 + \dots + H_n U_n) \times 100}{(U_1 + U_2 + \dots + U_n) \times 8760}$$

Where, U_1, U_2, \dots, U_n are the capacities in Mega Watts of different units, and

H_1, H_2, \dots, H_n are the hours for which the respective units were available for operation during the year.

- (ii) “Design Energy” means the quantum of energy which could be generated in a 90 per cent dependable year with 95 per cent Availability of installed capacity of the station.

Explanation : If the total energy generation in the year for which hydrological data is available (say N years) is arranged in descending order, the $(N+1) \times 0.9$ year would represent the 90 per cent dependable year. To 90 per cent dependable year is a year in which the annual energy generation has the probability of being equal to or in excess for 90 per cent of the expected period of operation of the scheme.

- (iii) “Installed Capacity” means the summation of the name plate capacity of the generating units in the station or the capacity as decided in consultation with the Authority from time to time considering the uprating, derating, etc., as may be applicable;

- (iv) “Project” includes the complete hydro power generating facility covering all components such as dam, intake, water conductor systems, power station, generating units, of the scheme as apportioned to power generation and as decided by the Authority;

- (v) “Secondary Energy” means the quantum of energy generated in excess of the design energy on an annual basis in the station;

- (vi) “Station” means a hydro generating station having an installation of one or more hydro generating units including reversible units;

2.2 The norms of operation as have been laid down by the Authority, for the time being subject to modification thereof, if any, under sub-section (2) of section 43A of the Act are as under :—

- (i) Normative level of generation (Design Energy) :

Energy computed in a 90 per cent dependable year with 95 per cent availability of installed capacity, as set out in techno-economic clearance.

- (ii) Normative availability of the project :

90 per cent Availability.

- (iii) Auxiliary consumption :

0.5 per cent of energy generated.

- (iv) Transformation losses (from generation voltage to transmission voltage) :

0.5 per cent of energy generated.

(v) Date of Commercial Operation :

Not exceeding 15 days from the date of synchronisation.

Explanation : For removal of doubts, it is clarified that the norms laid down by the Authority are the ceiling norms only and this shall not preclude the Boards and Generating Companies from agreeing to accept improved norms.

2.3 (a) The capital expenditure of the project shall be financed as per the approved financial package set out in the techno-economic clearance of the Authority.

(b) The project cost shall include capitalised initial spares. The approved project cost shall be the cost which has been specified in the techno-economic clearance of the Authority.

(c) The actual capital expenditure incurred on completion of the project shall be a criterion for the fixation of tariff. Where the actual expenditure exceeds the approved project cost, the excess expenditure as approved by the Authority shall be deemed to be the actual capital expenditure, for the purpose of determining the tariff; provided that such excess expenditure is not attributable to the Generating Company or its suppliers or contractors :

Provided further that where a power purchase agreement entered into between the Generating Company and the Board provides a ceiling on capital expenditure, the capital expenditure shall not exceed such ceiling.

2.4 In respect of infirm power, i.e. sale of electricity prior to commercial operation of the unit, any revenue from such sale shall be taken as reduction in capital expenditure and not as net revenue.

2.5 Extra rupee liability towards interest payment and loan repayment actually incurred in the relevant year shall be admissible, provided it directly arises out of foreign exchange rate variation and is not attributable to Generating Company or its suppliers or contractors.

2.6 The annual capacity charges shall be computed on the following basis, namely :—

- (a) Interest on loan capital shall be computed on the outstanding loans, including the schedule of repayment, as per the financial package approved by the Authority;
- (b) The rates of depreciation shall be applicable as notified by the Central Government from time to time; or "Advance Against Depreciation" shall be applicable at an annual amount not exceeding one-twelfth of the loan amount and limited to the actual loan liability of the year, as per the approved financial package.

Explanation I : The total of depreciation including Advance Against Depreciation, charged through the tariff shall not exceed 90 per cent of the approved capital cost during the life of the project.

Explanation II : In case a generating company takes assets on lease, the leasing charge as approved by the Authority, shall be considered in the capacity charge in lieu of depreciation and interest liability.

2.7 Full capacity charges shall be recoverable in 7,884 hours/year (90 per cent Availability) of operation. Payment of capacity charge below the level of 7,884 hours/year shall be on pro-rata basis. There shall not be any payment of capacity charges for availability level above 7,884 hours/year. The capacity charge shall be calculated on monthly basis and denominated in Rs./KW/month.

2.8 Total Energy Charges for a year shall be computed on the following basis :—

- (a) Operation and maintenance expenses, inclusive of insurance expenses for the first full year after commissioning of the plant, shall be calculated at 1.5 per cent of the approved capital expenditure or the ceilings on capital expenditure as provided in paragraph 2.3.
- (b) The expenditure on operation and maintenance, inclusive of insurance expenses, in each subsequent year after the first full year of operation shall be revised as may be mutually agreed upon between the Board and Generating Company on the basis of weighted price index.
- (c) Tax on income, if any, shall be computed as expense at actuals. Any over recoveries or under recoveries of tax on income shall be adjusted every year on the basis of a certificate of Auditors.
- (d) Return on equity shall be computed at 16 per cent on the paid up and subscribed capital relating to the generating unit.

Explanation I : For the purpose of this sub-paragraph, the Generating Company shall, in regard to subscribed equity brought in foreign exchange, have the option to compute the return on equity not exceeding 16 per cent in the currency of the subscribed Capital.

Explanation II : Premium raised by the Generating Company while issuing share capital and investment of internal resources created out of free reserve of an existing company, if any, for the funding of the project, shall also be reckoned as paid up capital for the purpose of computing the return on equity, provided such premium amount and internal resources are actually utilised for meeting the capital expenditure of the power generation project and form part of the approved financial package as set out in the techno-economic clearance accorded by the Authority.

(d) Interest on Working Capital which covers :

- (i) The operation and maintenance expenses for one month.

(ii) Maintenance spares at actuals but not exceeding one year's requirements less value of one fifth of initial spares already capitalised, and

(iii) Receivables equivalent to two months of average billing for sale of electricity.

(e) Other Miscellaneous Charges :

As may be specifically applicable to the generating unit/station. These would include cess for the use of water for power generation, if levied, and energy consumption charges for pumped storage schemes as per actual payment made for the energy supplied for purpose of pumping water.

2.9 The per unit cost of primary energy shall be calculated by dividing the total Energy charges by the Design Energy of the project and shall be denominated as Rupee per Kilo-watt hour. The payment of primary energy charges shall be based on actual generation during the month, limited to the design energy apportioned for the month. For this purpose, the full Design Energy shall be apportioned in the twelve calendar months of the year, as may be mutually agreed between the Board and the Company.

2.10 Incentives :

In addition to the 'capacity charge' and primary energy charge, the company shall be paid incentive as under :

(i) For 'Availability' of installed capacity above normative level of 90 per cent, the rate of incentive shall be mutually agreed upon between the Generating Company and the Board but it shall not exceed 0.7 per cent return on equity for each percentage point increase in availability.

(ii) Energy charges for secondary energy.—The rate of incentive for secondary energy shall be mutually agreed between the Board and the Generating Company. However the maximum payment on this account in any year shall not exceed 10 per cent return on equity.

The incentives on account of higher Availability and Secondary Energy shall be payable on a monthly basis subject to a cumulative adjustment in each month of the financial year and final adjustment at the end of the year.

2.11 Deemed Generation :

If the Station has achieved the normative Availability level in a contract year, but actual energy generation falls short of design energy for reasons solely attributable to hydrology, the energy charges for generation upto design energy shall be payable to the Generating company during the first seven years of operation.

In case of reduced generation due to reasons beyond the control of Generating Company and non-availability of Board's transmission lines or on receipt of backing down instructions from the concerned Regional Electricity Board and it results in spillage of water, the energy loss on account of such spillage shall be considered as deemed generation limited to the design energy.

2.12 For payment of bills through Letters of Credit, a rebate of 2.5 per cent shall be allowed. Where payments are made otherwise than through opening of Letters of credit, but within a period of one month of presentation of bills by the Generating Company, a rebate of 1 per cent shall be allowed."

(d) After paragraph 3.3, the following paragraphs shall be added namely :—

"3.4 This notification shall be applicable to such hydro-power generating stations which shall commence commercial operation on or after the 1st January, 1997."

[F. No. 2/9/NHPC/Tariff/94]

S. R. SHIVRAIN, Jt. Secy.

Foot Note : The Principal Notification was published in the Gazette of India, Part II, Sec. 3, Sub-section (i), dated 30th March 1992 and subsequently amended by S.O. 36 (E) dated 19-1-1994 and S.O. 605(E) dated 22-8-94.

